ओरछा के लिए पीएमश्री हेली सेवा का शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा के अंतर्गत नए सेक्टर भोपाल-चंदेरी-ओरछा हेलीकॉप्टर यात्रा का किया शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ओरछा में राजा के रूप में विराजमान हैं भगवान श्रीराम, के दर्शन के लिए पीएमश्री हेली सेवा के रूप में ओरछा के लिए पुष्पक विमान की व्यवस्था की गई है। परशुराम जयंती के मंगल अवसर पर पर्यटन की दिशा में मध्यप्रदेश ऐतिहासिक कदम बढ़ाया। भोपाल-ओरछा और चंदेरी सेक्टर के लिए पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा का शुभारंभ हुआ। जिन दो शहरों के लिए सेवा की शुरुआत की गई है, दोनों ही प्रदेश के विरासत स्थल हैं। चंदेरी का संबंध भी श्रीराम और श्रीकृष्ण से ही है। चंदेरी, पौराणिक, आध्यात्मिक, ऐतिहासिक और पर्यटन नगरी के रूप में विख्यात है। मध्यप्रदेश में तेजी से बढ़ रहे एविएशन सेक्टर से महाराष्ट्र सहित कई राज्य प्रेरणा ले रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर यात्रियों को बोर्डिंग पास प्रदान किए तथा हेलीकॉप्टर को झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रदेश में पर्यटन और धार्मिक यात्राओं को सुगम, सुरक्षित और आनंददायक बनाना हेली पर्यटन सेवा का उद्देश्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रद्धा, साहस, पुरुषार्थ, पराक्रम, ज्ञानशीलता, दानशीलता और उद्दात चरित्र के धनी भगवान परशुराम ने सदैव अन्याय के विरुद्ध संघर्ष किया। अपने साहस-पराक्रम और पुरुषार्थ के नए-नए कीर्तिमान स्थापित करने वाले भगवान परशुराम जी हर युग में हम सबको प्रेरणा देते रहेंगे। ऐसे दिव्य व्यक्तित्व की जयंती पर प्रदेश को पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा समर्पित की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार सभी वर्गों की सेवा के लिए समान रूप से कार्य कर रही है। इलाज के लिए जरूरतमंद लोगों को पीएमश्री एयर एंबुलेंस की सुविधा उपलब्ध कराने की पहल देश में सबसे पहले मध्यप्रदेश द्वारा ही आरंभ की गई है। मध्यप्रदेश का भौगोलिक क्षेत्र बहुत विस्तृत है, प्रदेश में धार्मिक, सांस्कृतिक, वाइल्ड लाइफ, पर्यटन की पर्याप्त संभावनाएं विद्यमान हैं। प्रदेश में आवागमन की दृष्टि से हेली पर्यटन सेवा, पर्यटकों का समय बचाने और यात्रा की रोचकता को बढ़ाने में सहायक होगी। इससे प्रदेश में पर्यटन गतिविधियों का विस्तार होगा, इन गतिविधियों के प्रोत्साहन से प्रदेश में आर्थिक गतिविधियों का भी स्वत: संचालन होता है और रोजगार के नए अवसर भी सृजित होते हैं।

> मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल पीएमश्री पहली पर्यटन सेवा के नए सेक्टर 'भोपाल-चंदेरी-ओरछा' के पहले यात्रियों क्र अबधेश प्रसाद शुक्ला, क्रमती रेवती शुक्ला और क्र रमाशंकर शुक्ला को बोर्डिंग पास प्रदान किए। कार्यक्रम में बताया गया कि यात्रा के लिए 6 सीटों वाले आधुनिक हेलीकॉप्टर का उपयोग किया जा रहा है। पर्यटक https://www.flyola.in/ और IRCTC पोर्टल पर बुकिंग कर सकते हैं। कार्यक्रम से पहले मुख्यमंत्री डॉ. यादव का प्रतीक चिन्ह भेंटकर अभिवादन किया गया।

पर्यटन को प्रोत्साहित करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। प्रदेश में सभी ओर हवाई सेवाओं का विस्तार किया गया है। रेल, बस, सड़क के साथ जल यातायात पर भी कार्य किया जा रहा है।

पर्यटन स्थलों और प्रमुख शहरों तक हवाई सेवा हमारी प्राथमिकता

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश भौगोलिक दृष्टि से बड़ा प्रांत है। सड़क और रेल मार्ग से तो प्रदेश में आवागमन की सुविधा विद्यमान है, इसके साथ ही अब राज्य शासन द्वारा हवाई मार्ग से भी कम समय में एक स्थान से दूसरे स्थान पहुंचने की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। प्रदेश के धार्मिक पर्यटन, अन्य पर्यटन स्थान और बड़े शहरों तक हवाई सेवा का विस्तार प्राथमिकता से किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव पीएमश्री पर्यटन वायु सेवा तथा पीएमश्री धार्मिक पर्यटन हेली सेवा के शुभारंभ अवसर पर राजकीय विमानतल भोपाल में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश पर ईश्वर की विशेष कृपा है। अमरकंटक से निकलने वाली मां नर्मदा मध्यप्रदेश के साथ-साथ गुजरात की भी जीवन रेखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर देश को ऊर्जा और सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने में मां नर्मदा का उल्लेखनीय योगदान रहा है। प्रदेश में आरंभ हो रही हवाई सेवा से धार्मिक के साथ-साथ व्यापारिक, प्रशासनिक गतिविधियों तथा सभी प्रकार की परिस्थितियों में एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाना त्वरित रूप से संभव होगा। हमारा प्रयास होगा कि सभी जिलों में हवाई पट्टियां बने और अंतरराज्यीय हवाई सेवा का विस्तार हो। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि इंदौर से महाकालेश्वर तथा ममलेश्वर (ओंकारेश्वर) के लिए हवाई सेवा के बाद केदारनाथ और यमुनोत्री के समान दतिया, मैहर, ओरछा आदि के लिये कम समय में दर्शन के लिए हेलिकॉप्टर सेवा आरंभ की जाएगी। प्रदेश के सभी प्रमुख धार्मिक स्थलों तक हवाई सुविधा के विस्तार का प्रयास होगा। पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण अन्य स्थान जैसे कान्हा, बांधवगढ़ तक वायु सेवा का विस्तार करने की भी योजना है। पूर्णत: राज्य शासन द्वारा पोषित इन योजनाओं से राज्य सरकार द्वारा धार्मिक तीर्थाटन के लिए संचालित योजनाओं को जोड़ कर प्रदेश में विद्यमान तीर्थ स्थलों की यात्रा कराने की व्यवस्था की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने दोनों योजनाओं के शुभारंभ की घोषणा की। उन्होंने रिमोट का बटन दबाकर दोनों योजनाओं का शुभारंभ किया तथा झंडी दिखाकर दो विमान और एक हेलीकॉप्टर रवाना किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पर्यटन गतिविधियों को प्रोत्साहित करने और पर्यटन स्थलों तक आवागमन को सुगम बनाने के लिए मध्य प्रदेश पर्यटन को बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि हेली पर्यटन सेवा सर्वप्रथम 'ओंकारेश्वर-महाकालेश्वर-इंदौर' सेक्टर में और कान्हा-बांधवगढ़-मैहर की माताजी-अमरकंटक-चित्रकूट में आरंभ हुई। हेली सेवा का तीसरा सेक्टर आरंभ किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा के अंतर्गत चंदेरी से ओरछा का किराया 2,750 रुपए, भोपाल से चंदेरी का 5,500 रुपये और भोपाल से ओरछा का किराया 6,500 रुपये रखा गया है। भोपाल से ओरछा का पैकेज 14 हजार 500 का है, जिसमें 13 हजार रुपये हेलीकॉप्टर का किराया, टैक्सी का शुल्क 1150 रुपए और दर्शन एवं प्रसाद के लिए 350 रुपए का भुगतान करना होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बताया कि इस यात्रा के संचालन में और प्रदेश में पर्यटन गतिविधियों को प्रोत्साहित करने, पर्यटकों की रुचि मध्यप्रदेश में बढ़ाने के उद्देश्य से मैचिंग ग्रांट के अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा राशि दी जा रही है।

4 वर्षीय मासूम को किया एयरलिफ्ट

गत दिनों बालाघाट से लालबर्रा निवासी 4 वर्षीय बालिका स्मोली अवधिया को उपचार के लिये पीएमश्री एयर एम्बुलेंस से भोपाल एम्स के लिये एयरलिफ्ट किया गया। आर्गन फेलियोर की समस्या से ग्रसित स्मोली का उपचार बालाघाट में चल रहा था। स्थिति गंभीर होने पर चिकित्सकीय सलाह से बालिका स्मोली को उच्च स्तरीय उपचार के लिये भोपाल लाया गया। बालिका स्मोली के पिता राहुल अवधिया ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार माना, जिनके प्रयासों से गरीब वर्ग के लिये विपरीत परिस्थितियों में पीएमश्री एयर एम्बुलेंस योजना शुरू हुई है। उन्होंने कहा कि हम जैसे गरीब तबके के लोग बीमारी की स्थिति में उच्च स्तरीय चिकित्सकीय सेवाएँ नहीं ले पाते हैं। आज मेरी बेटी के भोपाल में उपचार के लिये एयर एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध करायी गयी। इसके लिये मुख्यमंत्री जी का बहुत-बहुत आभार। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बालाघाट डॉ. मनोज पाण्डे ने बताया कि जिला प्रशासन के सहयोग से पीएमश्री एम्बुलेंस की व्यवस्था की गयी, जिससे बालिका स्लोमी को उच्च स्तरीय उपचार के लिये एम्स भोपाल भेजा गया है। उन्होंने बताया कि इसके पहले भी नक्सल घटना में घायल शिव कुमार शर्मा को उपचार के लिये पीएमक्र एयर एम्बुलेंस से दिल्ली भेजा गया था।

कैंसर पीड़ित लोधी को एयर एम्बुलेंस से भेजा नागपुर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की संवेदनशील पहल पर पीएमश्री एयर एबुलेंस सेवा के तहत टप्पा मानोरा, तहसील ग्यारसपुर, जिला विदिशा के लंग कैंसर पीड़ित सुरेंद्र लोधी आयु 45 वर्ष को उपचार के लिए भोपाल से नागपुर एयर एम्बुलेंस से भेजा गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ईश्वर से लोधी के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया पर लिखा कि प्रदेशवासियों को त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

अस्पताल से घर तक पार्थिव देह ले जाने के लिए जिलों में उपलब्ध होंगे शव वाहन

एयर एम्बुलेंस सुविधा का होगा विस्तार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से नागरिकों की स्वास्थ्य समस्याओं का निराकरण किया जाए। कैंसर जैसे रोगों से ग्रस्त नागरिकों को आवश्यक उपचार सुविधाएं प्राथमिकता से दिलवाई जाएं। प्रदेश में अंगदान को प्रोत्साहित किया जाए। पीपीपी मॉडल पर मेडिकल कॉलेज प्रारंभ किए जा रहे हैं जो प्रदेश के नागरिकों को बेहतर उपचार सुविधाएं उपलब्ध करवाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार द्वारा अस्पतालों से घर तक पार्थिक देह ले जाने के लिए शव वाहन उपलब्ध करवाने का निर्णय लिया गया है। यह व्यवस्था जिलों से प्रारंभ होगी जिसका बाद में विकास खण्ड और तहसील स्तर तक विस्तार होगा। प्रदेश में एयर एम्बुलेंस सेवा को अधिक प्रभावी बनाते हुए गंभीर रोगियों के साथ ही दुर्घटनाओं में गंभीर रूप से घायल नागरिकों को भी सेवाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित किया जाएगा।

मुख्यमत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश देश का प्रथम राज्य है जहां मरीजों के लिए एयर एम्बुलेंस सुविधा उपलब्ध है। इस सुविधा का विस्तार इस तरह किया जाएगा कि किसी भी दुर्घटना स्थल पर भी एयर एम्बुलेंस को पहुंचाया जा सके। दुर्घटनाओं में गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को चिकित्सक और कलेक्टर द्वारा निर्णय लेकर चिकित्सा संस्थानों तक भेजने की व्यवस्था की जाएगी। वर्तमान में एयर एम्बुलेंस सेवा में एक हेलीकाप्टर और एक एरोप्लेन उपलब्ध है। गरीब से गरीब नागरिक को इस सुविधा का लाभ देने का प्रयास है। भविष्य की आवश्यकताओं के दृष्टिगत राज्य के विभिन्न जोन निर्धारित कर इस सेवा की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य में पीपीपी मॉडल पर नए मेडिकल कॉलेज प्रारंभ किए जा रहे हैं। गत वर्ष नीमच, मंदसौर और सिवनी में कॉलेज प्रारंभ किए गए। इस तरह के अन्य मेडिकल कॉलेज भी प्रारंभ होंगे। इसके लिए आवश्यक प्रक्रिया चल रही है।

जिला स्तर पर उपलब्ध होंगे शव वाहन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार ने अस्पताल से पोस्ट मॉर्टम एवं मत्यु के अन्य मामलों में पार्थिव देह घर तक ले जाने के लिए शव वाहन उपलब्ध करवाने का निर्णय लिया है। यह व्यवस्था प्रारंभ में जिला स्तर पर रहेगी। बाद में इस व्यवस्था को विकास खण्ड और तहसील तक विस्तार किया जाएगा।

D-19022/26

चिकित्सक डॉ. शर्मा को एयर एम्बुलेंस से उपचार के लिए भेजा चेन्नई

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि एम्स, भोपाल में प्राध्यापक के पद पर पदस्थ प्रो. (डॉ.) जेपी शर्मा को गंभीर अवस्था में हार्ट ट्रांसप्लांट के लिए मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान अंतर्गत 'पीएमश्री एयर एंबुलेंस सेवा' के माध्यम से चेन्नई भेजा गया। वे अति गंभीर स्थिति में कन्जेस्टिव कॉर्डियक फेलियर से पीड़ति हैं, जिसमें हार्ट ट्रांसप्लांट ही अंतिम विकल्प होता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि डॉ. शर्मा की गंभीर स्थिति संज्ञान में आते ही, तत्काल प्रभाव से उन्हें भोपाल से चेन्नई भिजवाने के लिए 'पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा' उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए गए। प्रदेश के प्रत्येक व्यक्ति की सेवा के लिए राज्य सरकार तत्पर है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 'पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा' ऐसी गंभीर स्थितियों में देवदूत सिद्ध हो रही है। गंभीर मरीजों के लिए यह सेवा संकट मोचक बन रही है।

पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा बनी वरदान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ब्रेन डेड घोषित सागर जिले के बलिराम कुशवाहा (61 वर्ष) के परिजन द्वारा दिवंगत के अंगदान-महादान के निर्णय की सराहना कर साधुवाद दिया है। जबलपुर में ग्रीन कॉरिडोर बनाकर डुमना एयरपोर्ट से हार्ट एम्स भोपाल पहुंचाया गया, वहीं तिलवारा के हेलीपेड से लिवर इंदौर के चोइथराम हॉस्पिटल भेजा गया। प्रदेश में पहली बार हार्ट ट्रांसप्लांट किया गया और इस कार्य के लिए विशेष प्रयास करते हुए एक ही दिन में तीन ग्रीन कॉरिडोर (जबलपुर, भोपाल और इंदौर) बनाए गए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दो जिंदगियां बचाकर महाप्रयाण पर निकले स्व. बलिराम जी को सादर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। उन्होंने इस साहसिक निर्णय के लिए उनके परिजन का हृदय से आभार माना। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश में पहली बार हार्ट ट्रांसप्लांट होने और जबलपुर, भोपाल व इंदौर में ग्रीन कॉरिडोर के लिए समर्पित भाव से कर्तव्य निर्वहन के लिए उनके चिकित्सकों, पुलिस व प्रशासन को भी साधुवाद दिया है। जबलपुर मेडिकल कॉलेज में 22 जनवरी की शाम को एक व्यक्ति के ब्रेन डेड होने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही राज्य शासन ने त्वरित कार्यवाही की। एम्स भोपाल के डॉक्टर्स की टीम रात को ही अंग रिट्रीव करने के लिए जबलपुर के मेडिकल कॉलेज गई। सुबह पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा के जरिए डॉक्टरों की एक दूसरी टीम जबलपुर पहुंची और देह दानदाता के हार्ट और लिवर को निकाला गया और उसे ग्रीन कॉरिडोर का उपयोग करते हुए एम्स भोपाल में हार्ट ट्रांसप्लांट के लिए भेजा गया और लिवर ट्रांसप्लांट के लिए चोइथराम अस्पताल इंदौर भेजा गया। दान किये गए अंगों के परिवहन के लिए पीएमक्र एयर एम्बुलेंस सेवा के वायुयान और हेलीकॉप्टर दोनों साधनों का उपयोग किया गया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया रीवा एयरपोर्ट का वर्चुअल उद्घाटन

प्रदेश के हर जिले में बनेगी सरकारी हवाई पट्टी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बनारस से रीवा के नवनिर्मित एयरपोर्ट का वर्चुअल उदघाटन किया। रीवा प्रदेश का छठवां एयरपोर्ट है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश में पहले की तुलना में तीन गुना रफ्तार से विकास कार्य हो रहे हैं। नई सरकार बनने के सवा सौ दिन के अंदर 15 लाख करोड़ रूपये से अधिक की योजनाओं और परियोजनाओं पर कार्य शुरू किया जा चुका है। इसमें ज्यादा बजट गरीब, किसान और नौजवानों के नाम पर है। पूरे देश में इन्फ्रास्ट्रक्चर का निर्माण का बड़ा अभियान चल रहा है। विकास के लिये होने वाले निवेश से नागरिकों की सुविधा बढ़ाना और नौजवानों को नौकरी देना हमारा लक्ष्य है। हाई-वे, नये-नये ट्रेन रूट्स और नये एयरपोर्ट की सुविधा बढ़ रही है। यह सिर्फ ईंट, पत्थर, लोहे का काम नहीं है। इससे आम नागरिकों की सुविधाएँ बढ़ रही हैं और युवाओं को नौकरियाँ भी मिल रहीं हैं। देश में वर्ष 2014 में केवल 70 एयरपोर्ट थे, जिनकी संख्या आज बढ़कर 150 से अधिक हो गई है। पुराने एयरपोर्ट्स का रिनोवशन भी किया जा रहा है। रीवा में एयरपोर्ट शुरू होने जाने से विंध्य के विकास के द्वार खुलेंगे और यहाँ की तस्वीर और तकदीर बदलेगी। विंध्य में प्राकृतिक संपदा और विकास के हर संसाधन उपलब्ध रहे हैं। रीवा के विकास में ताला लगा हुआ था। पूर्ववर्ती सरकारों द्वारा ध्यान न देने के कारण विंध्य का समुचित विकास नहीं हो सका। अब विंध्य के विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। रीवा में 1993 में रेल की सुविधा भी नहीं थी। आज यहाँ एयरपोर्ट की सुविधा उपलब्ध हो गई है। रीवा से भोपाल तक एक्सप्रेस-वे का निर्माण भी किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्र रक्षा और विकास के मोर्चे पर बढ़-चढ़कर कार्य कर रहे हैं। उनका हौसला हमें गर्व से भर देता है। हमारे पड़ोसी पहले जो दुस्साहस दिखाते थे, आज वो संभव नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने घर में घुसकर दुश्मन को खत्म करने का हौसला दिखाया है। विश्व के 200 से ज्यादा देश हमारे प्रधानमंत्री मोदी का इंतजार कर रहे हैं। यह प्रधानमंत्री का साहस था जिससे यूक्रेन में फंसे भारतीय बच्चों को सुरक्षित वापस लाया जा सका। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नदी जोड़ो अभियान का जो कार्य प्रारंभ हुआ है, उसका श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को जाता है। शीघ्र ही रीवा में भी रेवा की धारा आ जायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विंध्य के औद्योगिक विकास को गति देने के लिए 23 अक्टूबर को रीवा में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। इसके माध्यम से पूरे विंध्य में बड़े पैमाने पर औद्योगिक विकास के लिए निवेश अपेक्षित है। उद्योगों की स्थापना से रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। विंध्य में कृषि और खनिज पर आधारित उद्योगों का तेजी से विकास होगा। पूरे संभाग में फूड इंडस्ट्री की अच्छी संभावना है। विंध्य से माल ढुलाई के लिए शीघ्र ही कंटेनर और मालवाहक हवाई जहाज की सुविधा दी जाएगी। साथ ही विंध्यवासियों को 999 रुपए में हवाई यात्रा कराई जाएगी।

> मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकास भी, विरासत भी' के दूरदर्शी दृष्टिकोण से प्रेरित होकर मध्यप्रदेश ने पर्यटन को समावेशी और सतत विकास के सशक्त माध्यम के रूप में विकसित किया है। इसके परिणामस्वरूप हाल के वर्षों में प्रदेश में 13.30 करोड़ से अधिक पर्यटकों का आगमन दर्ज किया गया है, जो मध्यप्रदेश के प्रति बढ़ते राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय विश्वास को दर्शाता है। आध्यात्मिक पर्यटन मध्यप्रदेश की प्रमुख पहचान के रूप में स्थापित हुआ है। उज्जैन स्थित श्री महाकालेश्वर मंदिर में 6.5 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं का आगमन हो चुका है। इसके साथ ही खजुराहो, सांची, ओरछा, महेश्वर, अमरकंटक और चित्रकूट जैसे ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थल देश-विदेश के पर्यटकों के प्रमुख आकर्षण केंद्र बने हुए हैं। राज्य सरकार द्वारा पर्यटन नीति-2025 एवं फिल्म पर्यटन नीति-2025 के माध्यम से निवेश प्रोत्साहन, रोजगार सृजन और सतत पर्यटन विकास को नई दिशा दी गई है। फिल्म पर्यटन नीति-2025 के अंतर्गत मध्यप्रदेश राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म निर्माण के लिए एक पसंदीदा डेस्टिनेशन के रूप में उभर रहा है, जिससे स्थानीय कलाकारों, तकनीशियनों और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों तथा उड़ान योजना से गरीब आदमी को भी हवाई यात्रा की सुविधा मिल गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गंभीर रोगियों को उपचार सहायता के लिए एयर एंबुलेंस और हेली सेवा शुरू की गई है। गंभीर रोगी को हवाई मार्ग से नि:शुल्क बड़े अस्पताल ले जा रहे हैं। प्रदेश में 6 हवाई अड्डों के साथ 25 हवाई पट्टियाँ विकसित की गई हैं। प्रदेश के हर जिले में हवाई पट्टी बनाई जाएगी। उज्जैन, शिवपुरी और दतिया की हवाई पट्टी को विकसित कर एयरपोर्ट बनाया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीराम वनवास के दस से अधिक वर्ष विंध्य की पावन धरा पर रहे। भगवान राम की तपोभूमि चित्रकूट के विकास के लिए मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश की सरकार मिलकर प्रयास कर रही हैं। युवाओं को रोजगार का अवसर देने के लिए हर संभाग में कौशल उन्नयन केन्द्र बनाए गए हैं। इनमें प्रशिक्षण लेकर युवा अपना भविष्य संवारे। कृषि तथा दूध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए कई प्रयास किए जा रहे हैं। दूध उत्पादक किसानों को भी बोनस दिया जाएगा। प्रदेश में चहुँमुखी विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।